अनुक्रमणिका

अनुक्रमणिका

अध्याय	अध्याय का नाम	पृष्ठ क्रं.
प्रथम -	भारती और मतकरी का व्यक्तित्व एवं कृतित्व	1-14
1.1	धर्मवीर भारती : व्यक्तित्व एवं कृतित्व	
1.1.1	धर्मवीर भारती : जीवन परिचय	
1.1.1.1	जन्म	
1.1.1.2	माता / पिता	
1.1.1.3	बचपन	
1.1.1.4	शिक्षा	
1.1.1.5	अजीविका	
1.1.1.6	परिवार	
1.1.1.7	मृत्यु	
1.1.1.8	व्यक्तित्व	
1.1.1.9	सन्मान	
1.1.2	धर्मवीर भारती : साहित्य परिचय	
1.1.2.1	कवि भारती	
1.1.2.2	उपन्यासकार भारती	
1.1.2.3	कहानीकार भारती	
1.1.2.4	एकांकीकार भारती	
1.1.2.5	निबंधकार भारती	
1.1.2.6	नाटककार भारती	
1.1.2.7	अनुवादक भारती	
1.1.2.8	शोधकर्ता भारती	
1.1.2.9	समीक्षक भारती	

अध्याय	अध्याय का नाम	पृष्ठ क्रं.
1.1.2.10	पत्रकार भारती	
1.1.2.11	रिपोर्ताज	
1.1.2.12	यात्र वर्णन	
	निष्कर्ष।	
1.2	रत्नाकर मतकरी : व्यक्तित्व और कृतित्व	
1.2.1	परिवार एवं वंश	
1.2.2	नाट्य लेखन प्रेरणा	
1.2.3	नाट्य लेखन यात्रा	
1.2.4	एकांकी प्रकाशन	
1.2.5	नाट्य संस्था के लिए लिखे एकांकी नाटक	
1.2.6	नाट्य लेखन	
1.2.7	उपन्यास तथा अन्य लेखन	
1.2.8	नाट्य दिग्दर्शन	
1.2.9	विदेशी यात्रा	
	मूल्यांकन।	
		15-76
द्वितीय -	'अंधायुग' और 'आरण्यक' की विषयवस्तु का तुलनात्मक अध्ययन	
2.1	गीतिनाट्य की कथावस्तु	
2.1.1	गीतिनाट्य कथावस्तु की विशेषताएँ	
2.1.1.1	भावात्मकता	
2.1.1.2	आंतरिक संघर्ष की अभिव्यक्ति	
2.1.1.3	कोमल भावों की प्रधानता	
2.1.1.4	कौतुहलता	
2.1.1.5	गीति और नाटकीयता का समन्वय	

अध्याय	अध्याय का नाम	पृष्ठ क्रं.
तृतीय -	'' 'अंधायुग' और 'आरण्यक' में चित्रित चरित्र-चित्रण का तुलनात्मक अध्ययन''	77-140
3.1	गीतिनाट्य के पात्र एवं चरित्र-चित्रण	
3.2	'अंधायुग' में चित्रित पात्र	
3.3	'आरण्यक' में चित्रित पात्र	
3.4	'अंधायुग' और 'आरण्यक' में चित्रित समान पात्र	
3.4.1	धृतराष्ट्र	
3.4.2	गांधारी	
3.4.3	युधिष्ठिर	
3.4.4	युयुत्सु	
3.4.5	विदुर	
3.4.6	सिपेसालार (दो प्रहरी एवं प्रतिहारी)	
3.4.7	व्याध	
3.5	विवेच्य नाटकों में चित्रित असमान पात्र	
3.5.1	अश्वत्थामा	
3.5.2	कृष्ण	
3.5.3	दुर्योधन	
3.5.4	कृपाचार्य	
3.5.5	कृतवर्मा	
3.5.6	संजय	
3.5.7	व्यास	
3.5.8	बलराम	
3.5.9	गूँगा भिखारी	
3.5.10	वृद्धयाचक	

अध्याय	अध्याय का नाम	पृष्ठ क्रं.
2.1.1.6	वैयक्तिकता	
2.1.1.7	नेरेशन	
2.2	धर्मवीर भारती : 'अंधायुग'	
2.3	रत्नाकर मतकरी : 'आरण्यक'	
2.4	'अंधायुग' की कथावस्तु	
2.5	'आरण्यक' की कथावस्तु	
2.6	'अंधायुग' और 'आरण्यक' नाटकों में वर्णित घटनाएँ	
2.6.1	महायुद्ध के पूर्व की आशंका	
2.6.2	महायुद्ध की विभीषिका	
2.6.3	प्रहरी और प्रतिहारी की निरर्थकता	
2.6.4	बादल	
2.6.5	युधिष्ठिर का अर्धसत्य	
2.6.6	भीमसेन के उपहास से वनागमन	
2.6.7	युयुत्सु की आत्महत्या	
2.6.8	प्रहरी और प्रतिहारी का अपने शस्त्र पर आरोप	
2.6.9	प्रेतात्मा	
2.6.10	गांधारी का पट्टी हटाना	
2.6.11	गांधारी का शाप	
2.6.12	कृष्ण-वध	
2.6.13	अग्निसमर्पण	
2.6.14	कृष्ण का संदेश	
2.7	महत्त्वपूर्ण अन्य घटनाएँ एवं प्रसंग	
2.7.1	'अंधायुग' में चित्रित अन्य घटनाएँ	
2.7.2	'आरण्यक' में चित्रित अन्य घटनाएँ	
	मूल्यांकन।	

अध्याय	अध्याय का नाम	पृष्ठ क्रं.
3.5.11	कुंती	
3.5.12	भीमसेन	
3.5.13	वृंद	
	मूल्यांकन।	
चतुर्थ -	'अंधायुग' और 'आरण्यक' में चित्रित संवादों का तुलनात्मक अध्ययन	141-163
4	कथोपकथन	
4.1	'अंधायुग' के संवाद	
4.2	'आरण्यक' के संवाद	
4.3	विवेच्य नाटकों में चित्रित संवादों का गुणों के आधार पर तुलनात्मक अध्ययन।	
4.3.1	लयबद्धता	
4.3.2	संक्षिप्तता	
4.3.3	अवसरानुकूलता	
4.3.4	पात्रानुकूलता	
4.3.5	गतिशीलता	
4.3.6	मार्मिकता	
4.3.7	आवेशात्मकता	
4.3.8	व्यंग्यात्मकता	
	मूल्यांकन।	
पंचम -	'' 'अंधायुग' और 'आरण्यक' नाटक की रंगमंचीयता का तुलनात्मक अध्ययन''	164-228
5.1	रंगमंच	
5.1.1	नाटक और रंगमंच का परस्पर संबंध।	

अध्याय	अध्याय का नाम	पृष्ठ क्रं.
5.2	'अंधायुग' का मंच विधान	
5.34	'आरण्यक' का मंच विधान	
5.5	कथानक	
5.6	चरित्रांकन	
5.7	अंक विभाजन	
5.8	भाषा	
5.9	कथोपकथन	
5.10	कार्यव्यापार	
5.11	रंग संकेत	
5.12	ध्वनियोजना	
5.13	प्रकाश योजना	
5.14	अभिनय	
5.15	दृश्य परिवर्तन योजना	
5.16	देशकाल वातावरण	
5.17	वेशभुषा	
5.18	संकलन त्रय	
5.19	नाटकीयता	
5.20	संगीत	
5.21	प्रारंभ और अंत	
5.22	उद्देश्य	
5.34	दर्शकों पर परिणाम	
	मूल्यांकन।	
	उपसंहार।	229-236
	संदर्भ ग्रंथ सूची।	237